पाठ 19. एक थे शेखचिल्ली

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य हलके-फुलके हास्य-व्यंग्य के माध्यम से बच्चों का मनोरंजन करना है। इस पाठ में शेखचिल्ली नाम के प्रसिद्ध काल्पनिक पात्र का एक किस्सा दिया गया है, जिसमें उनका काम बिगड़ते-बिगड़ते अंत में बन ही जाता है।

पाठ का सारांश

शेखचिल्ली एक मशहूर काल्पनिक पात्र हैं। इनके हास्यपूर्ण किस्से बहुत प्रचलित हैं। इस कहानी में शेखचिल्ली रात में टहलते हुए दो चोरों से मिलते हैं। शेखचिल्ली यह नहीं जानते थे कि वे चोर हैं। वे चोरों से कहते हैं कि वे उन्हें भी अपने साथ काम पर ले चलें। चोर शेखचिल्ली को अपने साथ ले चलते हैं। चोर एक घर में घुसकर चोरी करने लगते हैं। शेखचिल्ली चूल्हे के ऊपर गरम दूध देखकर खीर पकाने लगते हैं। पास ही एक बुढ़िया सो रही होती है। सोते-सोते बुढ़िया का हाथ शेखचिल्ली की ओर फैल जाता है। शेखचिल्ली को लगता है बुढ़िया खीर माँग रही है। वे गरम-गरम खीर बुढ़िया की हथेली पर रख देते हैं। बुढ़िया चीख पड़ती है। उसका बेटा वहाँ आ जाता है। चोर तथा शेखचिल्ली वहाँ से भाग खड़े होते हैं। रास्ते में उन्हें घुड़सवार आते दिखाई देते हैं। उन्हें सिपाही समझकर वे तीनों पेड़ पर चढ़ जाते हैं। घुड़सवार डाकू थे। वे उसी पेड़ के नीचे रुकते हैं। शेखचिल्ली ने हाथ में घड़ा पकड़ा हुआ था। डर के मारे उसके हाथ से घड़ा छूटकर नीचे गिर जाता है। डाकू पेड़ पर भूत समझ वहाँ से नौ-दो ग्यारह हो जाते हैं। डकैती का सारा धन वहीं पड़ा रह जाता है। शेखचिल्ली और दोनों चोर सारा धन आपस में बाँटकर अपने-अपने घर की ओर चल देते हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को शेखचिल्ली के बारे में बताएँ कि वे एक काल्पनिक पात्र हैं तथा इनके किस्से बहुत मशहूर हैं। वे अपने मूर्खतापूर्ण कार्यों से किसी न किसी मुसीबत में फँसते ही रहते हैं। लेकिन वे बहुत ईमानदार और सज्जन हैं।

- ❖ शेखचिल्ली ने गुड़ और चावल से खीर बनाई। बच्चों को इससे बनने वाले कुछ व्यंजनों के बारे में बताएँ। जैसे– गुड़ से गज्जक, चीले, लड्डू आदि तथा चावल से बिरयानी, पुलाव आदि बनाया जाता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।